



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 214] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 17, 1974/श्रावण 26, 1896

No. 214] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 17, 1974/SRAVANA 26, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 1974.

G.S.R. 369(E)/IDRA/30(1)/74.—Whereas certain draft rules, further to amend the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, were published as required by sub-section (1) of section 30 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), at page 113 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i), dated the 19th January, 1974, under the notification of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. G.S.R. 43, dated the 14th January, 1974 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, by the 28th February, 1974;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 14th February, 1974;

And whereas no objections and suggestions have been received by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 30 of the Industries (Development and Regulations) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. These rules may be called the Registration and Licensing of Industrial Undertakings (Fourth Amendment) Rules, 1974.

2. In the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, in Form C, after item 2, the following items shall be added namely:—

“3. Articles produced or to be produced.....”

4. Annual productive capacity of such articles”.

[No. F. 1/16/Spl.Leg.Cell/73]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली 17 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 369 (अ०)/अ.ई० डी० ए०/30 (1)/74.—यतः, औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 में और संशोधन करने के लिए नियमों का कतिपय प्रारूप उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित, भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 42, तारीख 14 जनवरी, 1974 के अधीन, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 19 जनवरी, 1974 के पृष्ठ 113 पर प्रकाशित किया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, 28 फरवरी, 1974 तक आक्षेप या सुझाव मांगे गए थे, जिनका उससे प्रभावित होना सम्भाव्य था ।

और यतः उक्त राजपत्र जनता को 14 फरवरी, 1974 को उपलब्ध करा दिया था ;

और यतः केन्द्रीय सरकार द्वारा कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन (चतुर्थ संशोधन) नियम, 1974 है ।
2. औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 में, प्रारूप ग में, मद 2 के पश्चात् निम्नलिखित मदें जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :
‘3. उत्पादित या उत्पादित की जाने वाली वस्तुएं —————’
4. एसी वस्तुओं की वार्षिक उत्पादन क्षमता —————” ।

[सं० फा० 1/16/वि० वि० सं०/73]

स. के. सहगल, संयुक्त सचिव,